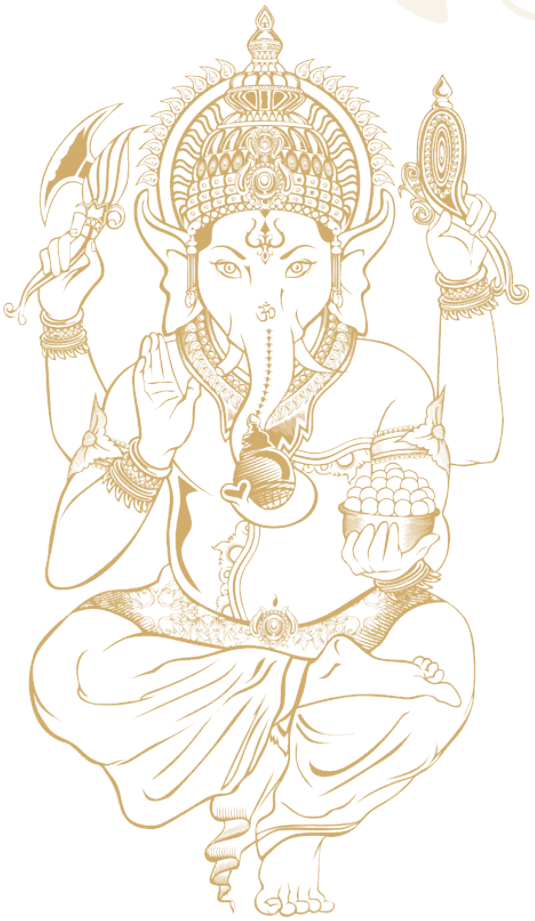

Mr.

17 Mar 2026

06:43 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:43:00 घंटे**
इष्ट	30:34:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:21:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:22 घंटे
साम्पातिक काल	06:02:22 घंटे
सूर्योदय	06:29:03 घंटे
सूर्यास्त	18:30:27 घंटे
दिनमान	12:01:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:43:35 मीन
लग्न के अंश	06:17:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:17:59	318:05:59	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मीन	02:43:35	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	13:32:47	13:27:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	17:33:16	00:47:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:48:35	00:20:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	20:55:44	00:01:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	19:33:50	01:14:22	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:31:15	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:30	00:00:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:30	00:00:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:58:19	00:02:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:25:57	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:42:55	00:01:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	06:19:17	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

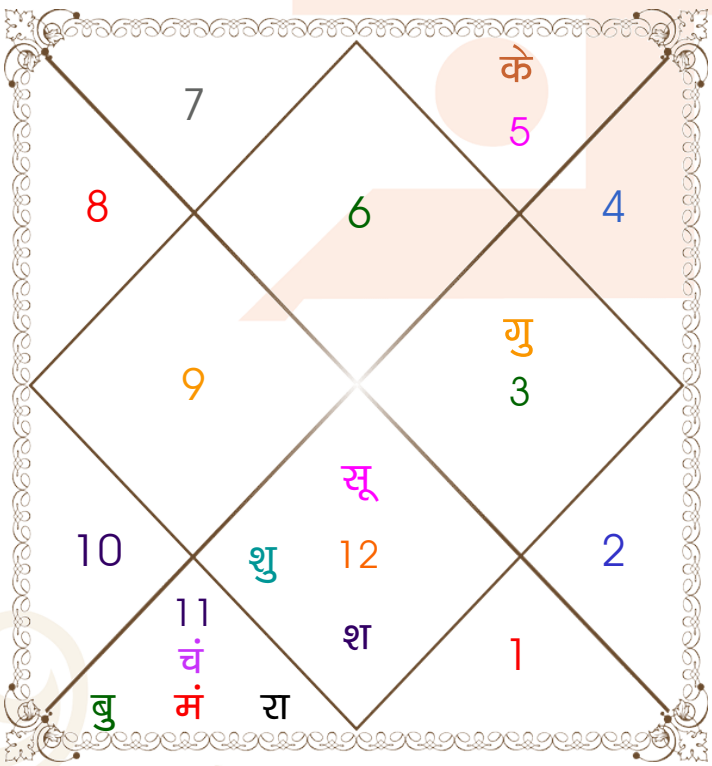

चन्द्र कुंडली

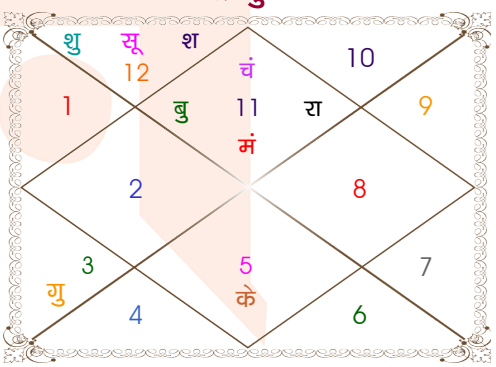

नवमांश कुंडली

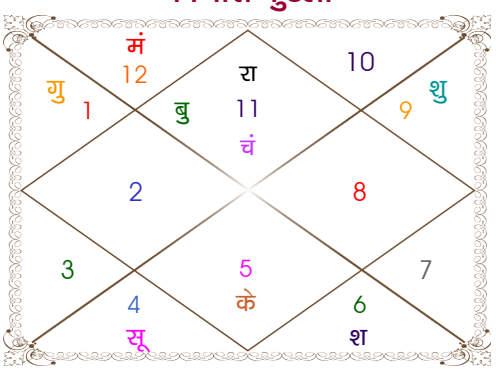

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 8 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/03/2026		02/12/2034		02/12/2050		02/12/2069		02/12/2086	
02/12/2034		02/12/2050		02/12/2069		02/12/2086		02/12/2093	
	00/00/0000	गुरु	20/01/2037	शनि	05/12/2053	बुध	30/04/2072	केतु	01/05/2087
	00/00/0000	शनि	03/08/2039	बुध	14/08/2056	केतु	27/04/2073	शुक्र	30/06/2088
	17/03/2026	बुध	08/11/2041	केतु	23/09/2057	शुक्र	26/02/2076	सूर्य	05/11/2088
बुध	03/06/2027	केतु	15/10/2042	शुक्र	23/11/2060	सूर्य	01/01/2077	चंद्र	06/06/2089
केतु	21/06/2028	शुक्र	15/06/2045	सूर्य	05/11/2061	चंद्र	03/06/2078	मंगल	02/11/2089
शुक्र	21/06/2031	सूर्य	03/04/2046	चंद्र	06/06/2063	मंगल	31/05/2079	राहु	20/11/2090
सूर्य	15/05/2032	चंद्र	03/08/2047	मंगल	15/07/2064	राहु	17/12/2081	गुरु	27/10/2091
चंद्र	14/11/2033	मंगल	09/07/2048	राहु	22/05/2067	गुरु	24/03/2084	शनि	05/12/2092
मंगल	02/12/2034	राहु	02/12/2050	गुरु	02/12/2069	शनि	02/12/2086	बुध	02/12/2093

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/12/2093		03/12/2113		04/12/2119		03/12/2129		03/12/2136	
03/12/2113		04/12/2119		03/12/2129		03/12/2136		00/00/0000	
शुक्र	03/04/2097	सूर्य	23/03/2114	चंद्र	03/10/2120	मंगल	01/05/2130	राहु	16/08/2139
सूर्य	03/04/2098	चंद्र	21/09/2114	मंगल	04/05/2121	राहु	20/05/2131	गुरु	09/01/2142
चंद्र	03/12/2099	मंगल	27/01/2115	राहु	03/11/2122	गुरु	25/04/2132	शनि	15/11/2144
मंगल	02/02/2101	राहु	22/12/2115	गुरु	04/03/2124	शनि	04/06/2133	बुध	18/03/2146
राहु	03/02/2104	गुरु	09/10/2116	शनि	03/10/2125	बुध	01/06/2134		00/00/0000
गुरु	04/10/2106	शनि	21/09/2117	बुध	05/03/2127	केतु	28/10/2134		00/00/0000
शनि	03/12/2109	बुध	29/07/2118	केतु	04/10/2127	शुक्र	28/12/2135		00/00/0000
बुध	03/10/2112	केतु	03/12/2118	शुक्र	04/06/2129	सूर्य	04/05/2136		00/00/0000
केतु	03/12/2113	शुक्र	04/12/2119	सूर्य	03/12/2129	चंद्र	03/12/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।